



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

31/3/89

सं. 141]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 17, 1989/फाल्गुन 26, 1910

No. 141]

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 17, 1989/PHALGUNA 26, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली 17 मार्च 1989

का.आ. 205(अ) —कम्पनी विधि बोर्ड का समाधान हो गया है कि मैसर्स तमिलनाडु मैंगनेसाइट प्रोडक्ट्स लिमिटेड, जो मैसर्स तमिलनाडु मैंगनेसाइट लिमिटेड की एक पूर्णतः स्वामित्व समनुषंगी है तमिलनाडु सरकार का एक पूर्णतः स्वामित्व उपक्रम है जो मैंगनेसाइट अन्य खनिज विनिर्माण और अन्य सहवर्द्ध उत्पादों को खानों के लिए निगमित किया गया है न कि मरम्मत स्थापित करना और उसे संचालित करना प्रतीत क्षमता और समाधान से बाहर पाया है।

और निम्नलिखित कम्पनी मैसर्स तमिलनाडु मैंगनेसाइट लिमिटेड का पूर्णतः सरकारी स्वामित्व का कम्पनी है और निम्नलिखित संशोधित कार्यालय 2/53 आभास्यर मत राज जालार अम्मपाविथम, मैसूर-636 302 में है व पाया सभी मतान्त जैव कि वित्तीय विवरण विशेषज्ञता अनुभव प्रणामनित यत्नक्ष और वरगती की तात्कालिकता और समाधानों को मंजूर करने के लिए अन्य स्वायत्त है।

और मैसर्स तमिलनाडु मैंगनेसाइट लिमिटेड जो एक निर्यात कम्पनी है वरन् न कि जालार समाधान के दुसरे समाधानों का उपयोग प्रणामनित

खर्चों में वचन और नीति व मामलों में समन्वय करवा सकती है और मैंगनेसाइट, अन्य खनिज विनिर्माण रफ़ाइनरीज और अन्य सहवर्द्ध उत्पादों का वक्ष और आर्थिक विस्तार और कार्यकरण सुनिश्चित करा सकती है, अतः लोकहित में यह आवश्यक है कि तमिलनाडु मैंगनेसाइट प्रोडक्ट्स लिमिटेड जो तमिलनाडु मैंगनेसाइट लिमिटेड की समनुषंगी है, का एक कम्पनी के रूप में समावेशित कर दिया जाना चाहिए।

और दोना कम्पनियों अधीन मैसर्स तमिलनाडु मैंगनेसाइट लिमिटेड और मैसर्स तमिलनाडु मैंगनेसाइट प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने 29-4-1988 को हुई अध्याधरण माधारण बैठक में दोनों कम्पनियों के शेयर धारकों द्वारा पारित किए गए मरम्मत द्वारा समावेशन की स्कीम का अनुमोदन कर दिया है।

और प्रस्तावित आदेश की एक प्रति पूर्वोक्त कम्पनियों अधीन मैसर्स तमिलनाडु मैंगनेसाइट लिमिटेड और तमिलनाडु मैंगनेसाइट प्रोडक्ट्स लिमिटेड का समाचार पत्र में प्रकाशित करने के लिए भेजी गई थी और कम्पनी विधि बोर्ड की समावेशन की स्कीम की शर्तों किसी व्यक्ति से कोई श्रेष्ठ/मुलाख प्राप्त नहीं हुए हैं।

अब अतः कम्पनी विधि बोर्ड भारत सरकार के कम्पनी कार्य विभाग की अधिसूचना सं. मा. का. नि. 443(अ) तारीख 13 अक्टूबर, 1972 के माध्यम से कम्पनी अधिनियम 1956 (1956 का 1) की धारा 396 की उपधारा (1) और उपधारा (2) द्वारा प्रवर्तित कम्पनी

का प्रयोग करते हुए, उक्त दोनों कम्पनियों को एक कम्पनी में समामेलित करने के लिए निम्नलिखित आदेश करता है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम:—इस आदेश का संक्षिप्त नाम तमिलनाडु मैगनेसाइट प्रोजेक्ट्स लिमिटेड और तमिलनाडु मैगनेसाइट लिमिटेड (समा-मेलन) आदेश, 1989 है।

2. परिभाषाएं:—इस आदेश में अब तक कि संदर्भ में अन्यथा प्रपेक्षित न हो,

(क) "नियत दिन" से वह तारीख अभिप्रेत है, जिसको यह आदेश राजपत्र में अधिवृत्त किया जाता है

(ख) "विघटित कम्पनी" से मैसर्स तमिलनाडु मैगनेसाइट प्रोजेक्ट्स लिमिटेड अभिप्रेत है ;

(ग) "परिणामी कंपनी" से मैसर्स तमिलनाडु मैगनेसाइट लिमिटेड अभिप्रेत है ;

3. तारीख 31-3-1988 को यथाविद्यमान मैसर्स तमिलनाडु मैगनेसाइट लिमिटेड की प्राधिकृत पूंजी 50,00,00,000 रुपये (प्रत्येक 100 रुपये का साधारण भंश) और समावृत्त पूंजी 10,25,00,000 रुपये (प्रत्येक 100 रुपये का साधारण भंश थी। तारीख 31-3-1988 को यथाविद्यमान मैसर्स तमिलनाडु मैगनेसाइट प्रोजेक्ट्स लिमिटेड की प्राधिकृत पूंजी 1,50,00,000 रुपये (प्रत्येक 10 रुपये का साधारण भंश और समावृत्त पूंजी 12,75,000 रुपये (प्रत्येक 10 रुपये का साधारण भंश थी।

3. (क) कम्पनियों का समामेलन:—1. नियत दिन से ही, मैसर्स तमिलनाडु मैगनेसाइट लिमिटेड और मैसर्स तमिलनाडु मैगनेसाइट प्रोजेक्ट्स लिमिटेड का समस्त कारबार और उपक्रम जहां पर भी है, जिसके अन्तर्गत सर्वा स्पष्टियां चाहे अलग हो या स्थावर और अन्य आस्तियां चाहे वे किसी भी प्रकार की हों, जैसे मशीनरी और सभी स्थिर आस्तियां, पट्टे भू-भूति अधिकार, शेयरों में निवेशन या अन्यथा व्यापार में स्टाक, ऋण, अभिवहन में माल सभी प्रकार के दोनों धनों का अग्रिम, बहीखाता ऋण, बचत धन, वसूलीय दावे, करार, औद्योगिक और अन्य अनुशास्तियां और अनुज्ञापत्र, प्राप्ति और अन्य अनुशस्तियां, आशय-पत्र और हर प्रकार के सभी अधिकारी और शक्तियां, किन्तु मैसर्स तमिलनाडु मैगनेसाइट प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के सभी बंधकों और प्रभारों और धाडमान, और उसकी उक्त सम्पत्ति को प्रभावित करने वाली प्रत्याभूति और सभी अधिकारों के अधीन रहते हुए, और कार्यवाही या विलेख के बिना प्रवृत्त निधि के अनुसार मैसर्स तमिलनाडु मैगनेसाइट लिमिटेड को अन्तर्गत हो जाएंगे और उसमें निहित हो जाएंगे या अन्तर्गत और निहित हुए समझे जाएंगे। इसमें इसके पूर्व निविष्ट ऐसी सभी सम्पत्तियों के मैसर्स तमिलनाडु मैगनेसाइट लिमिटेड में निहित होने पर, मैसर्स तमिलनाडु मैगनेसाइट प्रोजेक्ट्स लिमिटेड में मैसर्स तमिलनाडु मैगनेसाइट लिमिटेड द्वारा धारित पूर्णतः समावृत्त प्रत्येक 10 रुपये के सभी 1,27,500 साधारण भंश रद्द हो जाएंगे।

2. लेखा के प्रयोजनों के लिए समामेलन, विघटित कंपनी के 31 मार्च, 1988 को यथा विद्यमान लेखा परीक्षण लेखाओं और तुलन पत्र के प्रति निर्देश-से प्रभावित होगा और उसके पश्चात् सम्भवहारा को एक सामान्य लेखा में पूर किया जाएगा, विघटित कंपनी से किसी पश्चात्पूर्व तारीख को अपना अन्तिम लेखा तैयार करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी और परिणामी कम्पनी 31 मार्च, 1988 को यथा विद्यमान तुलन पत्र के अनुसार सभी आस्तियां और शक्तियों को ग्रहण करेगी उसके पश्चात् के सभी संभवहारों का पूर्ण उत्तरदायित्व स्वीकार करेगी।

स्थापकीकरण:—विघटित कम्पनी के उपक्रम के अन्तर्गत सभी अधिकार, शक्तियां, प्राधिकार, विशेषाधिकार और सभी सम्पत्ति, जंगम या स्थावर जिसके अन्तर्गत मकद अनिर्णय, आरक्षितियां, राजस्व अतिशेष, निविधन और ऐसी सम्पत्ति में, या उसके उद्भूत होने वाले अन्य सभी हित और

अधिकारी जो नियत दिन के ठीक पूर्व विघटित कंपनी के हों, और उससे संबंधित सभी बहियां, लेखे और दम्मावेज तथा विघटित कम्पनी के उम समय विद्यमान सभी ऋण, शक्तियां, करार और बाध्यताएं, चाहे वे किसी भी प्रकार की उम समय हों, आते हैं।

4. सम्पत्ति की कुछ मदों का अन्तरण:—इस आदेश के प्रयोजन के लिए, नियत दिन को यथा विद्यमान विघटित कम्पनी के सभी लाभ या हानि या दोनों, यदि कोई हों, और विघटित कम्पनी के राजस्व आरक्षितियां, या घाटा, या दोनों, यदि कोई हो, जब परिणामी कम्पनी को अन्तर्गत होते हैं, तो वे परिणामी कम्पनी के यथास्थिति, लाभ या हानि और राजस्व आरक्षितियां या घाटे का भाग रूप होंगे।

5. संविदाओं और की व्यावृत्ति:—इस आदेश में अन्तर्विष्ट अन्य उपबंधों के अधीन रहते हुए, सभी संविदाएं, विलेख, अग्रपत्र, करार और अन्य लिखते, चाहे वे किसी प्रकार की हों, जिनमें विघटित कंपनी एक पक्षकार, जो नियत दिन के ठीक पूर्व आस्तित्व में है या प्रभावी हैं, परिणामी कंपनी के विरुद्ध या उसके पक्ष में पूर्णतः बकशील और प्रभावी होंगी और उन्हें वैसे ही पूर्ण रूप से प्रभावी रूप से प्रवृत्त किया जा सकेगा मानो विघटित कंपनी का बजाय परिणामी कंपनी उसमें एक पक्षकार थी।

6. विधिक कार्यवाहियों की व्यावृत्ति:—यदि, नियत दिन को, विघटित कंपनी द्वारा या उसके विरुद्ध कोई वाद, अभियोजन, शरीय या किसी भी प्रकृति की अन्य विधिक कार्यवाही लिखित है तो यह विघटित कंपनी के उपक्रम के परिणामी कंपनी को अन्तर्गत हो जाने के कारण या इस आदेश में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए, भी उपागमन नहीं होगी या उसे बन्द नहीं किया जाएगा अथवा किसी भी प्रकार से उस पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा, किन्तु ऐसा वाद, अभियोजन, शरीय या अन्य विधिक कार्यवाही परिणामी कम्पनी द्वारा या उसके विरुद्ध उसी रीति से और उसी विस्तार तक जारी रखी जा सकेगी, अग्रगर और प्रवर्तित की जा सकेगी जिस रीति से और जिस विस्तार तक वह विघटित कंपनी द्वारा या उसके विरुद्ध जारी रखी जा सकती या अग्रगर और प्रवर्तित की जा सकती थी या जारी रखी जा सकेगी, या अग्रगर और प्रवर्तित की जा सकेगी, यदि यह आदेश नहीं किया गया होता।

7. कराधान की बाबत उपबंध:—नियत दिन से पूर्व, विघटित कंपनी द्वारा किए गए कारबार के लाभों और अतिरिक्तों (जिनके अन्तर्गत संचित हानियां और अनामेलित अवशेष भी हैं) की बाबत सभी कर उस सीमा तक परिणामी कंपनी द्वारा संदेय होंगे जैसे वे विघटित कंपनी द्वारा तब संदेय होने जब यह आदेश न किया गया होता।

8. विघटित कंपनी के विद्यमान अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों की बाबत उपबंध:—विघटित कंपनी में नियत दिन के ठीक पूर्व नियोजित प्रत्येक पूर्णकालिक अधिकारी या अन्य कर्मचारी (विघटित कंपनी के निदेशक को छोड़कर) नियत दिन से परिणामी कंपनी का, यथास्थिति, अधिकारी या कर्मचारी बन जाएगा और वह उसमें अपना पद या अपनी सेवा उसी अवधि के लिए और उन्हीं निबंधों और शर्तों पर और वैसे ही अधिकारों और विशेषाधिकारों के साथ धारण करेगा जो वह, यदि वह आदेश नहीं किया गया होता, विघटित कंपनी के अधीन धारण करता और वह तब तक ऐसा करता रहेगा जब तक परिणामी कंपनी में उसका नियोजन सम्यक् रूप से समाप्त नहीं कर दिया जाता या जब तक उसका पारिश्रमिक और नियोजन की शर्तें पारम्परिक महर्मा द्वारा सम्यक् रूप में परिवर्तित नहीं कर दी जाती।

9. निदेशकों का उपबंध:—विघटित कंपनी का प्रत्येक निदेशक, जो नियत दिन के ठीक पूर्व उस रूप में पद धारण किए हुए है, नियत दिन को विघटित कंपनी के निदेशक नहीं रह जाएगा।

10. **प्रविश्य निधि की सहायता**—विघटित कंपनी के सभी अधिकारी और कर्मचारी, कर्मचारी प्रविश्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 की स्कीम के अधीन उस कर्मचारी प्रविश्य निधि के सदस्य बने रहेंगे जिसके वे सदस्य हैं और इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन के नियत दिन से तमिलनाडु मैग्नेसाइट लिमिटेड, इन अधिकारियों और कर्मचारियों को वापस, उसी दरी पर, जिन पर विघटित कंपनी उस कर्मचारी प्रविश्य निधि में अभिवान कर रही थी, उस निधि में कर्मचारियों के अभिवाप करेगा और करना रहेगा।

11. **तमिलनाडु मैग्नेसाइट प्रोडक्ट्स लिमिटेड का विघटन**—इस आदेश के अन्य उपबंधों के अधीन रहते हुए नियत दिन से तमिलनाडु मैग्नेसाइट लिमिटेड प्रोडक्ट्स विघटित हो जाएगी और कोई भी व्यक्ति विघटित कंपनी के विरुद्ध या उसके किसी निवेशक या किसी अधिकारी के विरुद्ध उसकी ऐसे निवेशक या अधिकारी की हैसियत में, न तो कोई वादा करेगा और न कोई मांग या कार्यवाही प्रस्थापित करेगा या हटाएगा, सिवाय वहां तक जहां तक इस आदेश के उपबंधों को प्रवर्तित करने के लिए आवश्यक हो।

12. **कंपनी रजिस्ट्रार द्वारा आदेश का रजिस्ट्रीकरण**—कंपनी विधि बोर्ड, इस आदेश के राजपत्र में अधिसूचित किए जाने के पश्चात् यथाशीघ्र कंपनी रजिस्ट्रार तमिलनाडु को इस आदेश की एक प्रति भेजेगा जिसकी पांति पर, कंपनी रजिस्ट्रार तमिलनाडु परिणामी कंपनी द्वारा विहित फीस का संदाय किए जाने पर आदेश को रजिस्ट्रार करेगा और इस आदेश की प्राप्ति होने की तारीख से एक मास के भीतर उसके रजिस्ट्रीकरण को अपने हस्ताक्षर से प्रमाणित करेगा। उसके पश्चात् कंपनी रजिस्ट्रार, तमिलनाडु यन्त्रक कंपनी से संबंधित आने वाले रजिस्ट्रीकरण, अभिलिखित या फाइल किए गए सभी दस्तावेज, तमिलनाडु मैग्नेसाइट लिमिटेड को जिसके साथ अन्तरक कंपनी का सम्मेलन किया गया है, फाइल में रखेगा और उन्हें संभाल करेगा और इस प्रकार संभाल दस्तावेजों को अपनी फाइल में रखेगा।

13. **परिणामी कंपनी के संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद**—तमिलनाडु मैग्नेसाइट लिमिटेड के संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद, जिस में नियत दिन के दस पूर्व विद्यमान थे, नियत दिन से परिणामी कंपनी संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद हो जाएंगे।

[12/10/88—सी एल -III]

एम कुमार, सदस्य, (कंपनी विधि बोर्ड)

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Company Affairs)

ORDER

New Delhi, the 17th March, 1989

S.O. 205(E).—Whereas, the Company Law Board is satisfied that M/s. Tamilnadu Magnesite Products Limited, a wholly owned subsidiary of M/s. Tamilnadu Magnesite Limited, a wholly owned Government of Tamilnadu Undertaking which was incorporated to mine the Magnesite, other minerals manufacturing and other allied products has found it beyond the capacity and resources to set up and run such plants;

And whereas, the holding Company, M/s. Tamilnadu Magnesite Limited a wholly owned Government Company, having its registered office at 5/53, Omalur Main Road, Jagir Ammapalayam, Salem-636302, has all the resources such as financial, marketing, expertise, experience, administrative experience and other sources to strengthen the profitability and resources of the company;

And whereas the M/s. Tamilnadu Magnesite Limited, the holding Company, can provide the use of scarce resources and equipments personal and material, save administrative expenses and enduring co-ordination in policy and the efficient and

economic expansion and working of the Magnesite, other minerals manufacturing Refractories and other allied products, it is essential in the public interest that The Tamilnadu Magnesite Products Limited, which is a subsidiary of Tamilnadu Magnesite Limited, should be amalgamated into a single Company.

And whereas, both the companies, namely M/s. Tamilnadu Magnesite Limited and M/s. Tamilnadu Magnesite Products Limited have approved the scheme of amalgamation by resolution passed by the Shareholders of both the Companies in the extraordinary General Meetings held on 29th April, 1988;

And whereas, a copy of the proposed order was sent in draft to the aforesaid Companies, namely M/s. Tamilnadu Magnesite Limited and Tamilnadu Magnesite Products Limited for its publication in the Newspaper and that no objections/suggestions have been received by the Company Law Board in regard to the theme of amalgamation from any person;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of the Section 3 per cent of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with the Notification of the Government of India in the Department of Company Affairs No. G.S.R. 443(E) dated 13th October, 1972, the Company Law Board hereby makes the following Order to provide for the amalgamation of the said two Companies into a single Company, namely:—

1. **Short title.**—This Order may be called the Tamilnadu Magnesite Products Limited and Tamilnadu Magnesite Limited (Amalgamation) Order, 1989.

2. **Definitions.**—In this Order unless the context otherwise requires—

(a) "Appointed day" means the date on which this Order is notified in the Official Gazette.

(b) "Dissolved Company" means the M/s. Tamilnadu Magnesite Products Limited.

(c) "Resulting Company" means the M/s. Tamilnadu Magnesite Limited.

3. **The authorised capital of M/s. Tamilnadu Magnesite Limited as on 31st March, 1988 was Rs. 50,00,00,000 (equity shares of Rs. 100 each) and paid up capital was Rs. 10,25,00,000 (equity shares of Rs. 100 each). The authorised capital of M/s. Tamilnadu Magnesite Products Limited as on 31st March, 1988 was Rs. 1,50,00,000 (equity shares of Rs. 10 each) and paid up capital was Rs. 12,75,000 (equity shares of Rs. 10 each).**

3. (a) **Amalgamation of the Companies**—1. On and from the appointed day, the entire business and undertaking of M/s. Tamilnadu Magnesite Limited and M/s. Tamilnadu Magnesite Products Limited, as where is including all the properties, movable or immovable and other assets, of whatsoever nature e.g. machinery and all fixed assets leases tenancy rights, investments in shares or otherwise stock in trade, tool, goods in transit, advances of monies of all kinds, book debts, outstanding monies, recoverable claims, agreements, industrial and other licences and permits, import and other licences, letters of intent and all rights and powers of every description, but subject to all mortgages and charges and hypothecation, guarantees and all rights whatsoever affecting the said properties of M/s. Tamilnadu Magnesite Products Limited shall without further act or deed be transferred to and vest in or deemed to be transferred to and vest in M/s. Tamilnadu Magnesite Limited in acceptance with the law in force. On such vesting of all the properties herein before referred to in M/s. Tamilnadu Magnesite Limited, all the Rs. 1,27,500 equity shares of Rs. 10 each fully paid up held by M/s. Tamilnadu Magnesite Limited in M/s. Tamilnadu Magnesite Products Limited, will stand cancelled.

2. For accounting purposes, the amalgamation shall be effected with reference to the audited accounts and balance sheets as on the 31st March, 1988 of the two companies and the transactions thereafter shall be pooled into a common account, the dissolved company shall not be required to

prepared its final accounts as on any later date and the resulting company shall takeover all assets and liabilities according to the balance sheet as on the 31st March, 1988 and accept full responsibility for all transactions thereafter.

Explanation.—The undertaking of the dissolved company shall include all rights, powers, authorities and privileges and all property, movable or immovable including cash balances, revenue investments and all other interests and rights in or arising out of such property as may belong to, or be in the possession of dissolved company immediately before the appointed day, and all books, accounts, and documents relating thereto and also all debts, liabilities, duties and obligations of whatever kind then existing of the dissolved company.

4. Transfer of certain items of property.—For the purpose of this order, all the profits or losses of both, if any, of the dissolved company as on the appointed day, and the revenue reserves or deficits, or both, if any, of the dissolved company when transferred to the resulting company shall respectively form part of the profits or losses and the revenue reserves or deficits, as the case may be, of the resulting company.

5. Saving of contracts etc.—Subject to the other provisions contained in this order, all contracts, deeds, bonds, agreements and other instruments of whatever nature to which the dissolved company is a party, subsisting or having effect immediately before the appointed day shall have full force and effect against or in favour of the resulting company and may be enforced as fully and effectually, as if, instead of the dissolved company, the resulting company had been a party thereto.

6. Saving of legal proceedings.—If, on the appointed day, any suit, prosecution appeal or other legal proceeding of whatever nature by or against the dissolved company be pending, the same shall not abate or be discontinued, or be in any way prejudicially affected by reason of the transfer to the resulting company of the undertaking of the dissolved company or of anything contained in this order. But the suit, prosecution appeal or other legal proceeding may be continued, prosecuted and enforced by or against the resulting company in the same manner and to the same extent as it would or may be continued, prosecuted and enforced by or against the dissolved company if this order had not been made.

7. Provisions with respect of Taxation.—All taxes in respect of the profits and gains (including accumulated losses and unabsorbed depreciation) of the business carried on by the dissolved company before the appointed day shall be payable by the resulting company to the same extent as they would have been payable by the dissolved company if this order had not been made.

8. Provisions respecting existing officers and other employees of the dissolved company.—Every whole-time officers or other employee (excluding the Directors of the dissolved company) employed immediately before the appointed day in the dissolved company, shall, as from the appointed day, become

an officer or other employee as the case may be, of the resulting company and shall hold his office or service therein by the same tenure and upon the same terms and conditions and with the same rights and privileges as he would have the same under the dissolved company, if this order had not been made, and shall continue to do so unless and until his employment in the resulting company is duly terminated or until his remuneration and conditions of employment are duly altered by mutual consent.

9. Position of Directors.—Every Director of the dissolved company holding office as such immediately before the appointed day shall cease to be a Director of the dissolved company on the appointed day.

10. Membership of Provident Fund.—All officers and employees of the dissolved company shall continue to be members of the Employees' Provident Fund under the scheme of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 of which they are members and Tamilnadu Magnesite Limited shall with effect from the appointed day of publication of this order in the Official Gazette make and continue to make the employer's contributions to the said Employees' Provident Fund in respect of these officers and employees at the same rates as were being made by the dissolved company.

11. Dissolution of the Tamilnadu Magnesite Products Limited.—Subject to the other provisions of this order, as from the appointed day, the Tamilnadu Magnesite Products Limited shall be dissolved and no person shall make, assert or take any claims, demands or proceedings against the dissolved company or against a Director or officer, except in so far as may be necessary for enforcing the provisions of this order.

12. Registration of the order by the Registrar of Companies.—The Company Law Board, shall as soon as may be after this order is notified in the Official Gazette, send to the Registrar of Companies, Tamilnadu, a copy of this order, on receipt of which the Registrar of Companies, Tamilnadu shall register the order on payment of the prescribed fees by the resulting company and certify under his hand the registration thereof within one month from the date of receipt of a copy of this order. Thereafter the Registrar of Companies, Tamilnadu shall forthwith include all documents registered, recorded or filed with him relating to the transferor company on the file of Tamilnadu Magnesite Limited with whom the transferor company has been amalgamated and consolidate these and shall keep such consolidated documents on his file.

13. Memorandum and articles of Association of the resulting company.—The Memorandum and Articles of Association of the Tamilnadu Magnesite Limited as they stood immediately before the appointed day, shall as from the appointed day, be the Memorandum and Articles of Association of the resulting company.

[24/10/88-CL III]
S KUMAR, Member
(Company Law Board)